

आशा भक्तवाथ

123

ABHA BHCTH. 2

शुद्धिनेमाथी काल
थीविश्वनाथायडं
धिसत्त्वस्यधाडन
नमोधाडनभार
यवजस्यथाया

वकायाडनमा
नमासर्ववृद्धवा
भावजकिनीया
गवर्गकालवका
किर्मवनायमदं

९

लनीलवर्णसरोपायःमानकमहदमायःकान्कथीनेवकलाच
नःवाक्येननक्रसदायःनीलसीकनकदशकनालागरीजनम
षायःकृष्णकसीकसंरागाकनवर्कधाय॥दादसरुजायःषष्ठी
गदिगकनायःवज्रखर्भैकिगूलकर्हिकावानाकूसःउमवमज
नवजःकृष्णदेवपदमःवज्रघट्टखद्योगकपालरावधानवत

कनसंस्तुनर्गगात्रवमसिनगजवभौधृककनायः व्याधुवत्मेन
 निवसनायः स्तुतमस्तुमालावैधिरुसिनगीवदयकमकूटमा
 लाः वदकयालमालाद्वयवनाय॥ कूलवकीकृषिकाम
 यलानायूनजस्कायलायविनयामनिमलमूडानागध्विरु
 यनायः वदजकितीसीनायिरुदययायधुव्याधिनमममा

अनूलागायवैधेविनावनवभाविशूविनायककार्हिंयनीहे॥
 मालाकालयहनकयालस्तनयमनिकरुकेन्द्रनमन्दसं
 हयवनका॥ ७ ॥ रुहा॥ द्रुका॥ उजा॥ ददा॥ नना॥ ममा॥
 कृष्ण॥ रुंरुं॥ उरुंउरुं॥ मसान॥ कृकृ॥ पृपृ॥ गृगृ॥ घ
 वा॥ रुहा॥ रुंरुं॥ रुंरुं॥ वृवृ॥ उरुं॥ रुंरुं॥ रुंरुं॥

यया॥ ईं ईं रुं रुं ॥ ७२ ॥ इ इ ग टि टो ग न वा ॥ ईं ईं ॥
 छ छ छ छ ॥ य य ॥ रुं रुं ॥ दृ दृ ॥ रिं रिं ॥ व वा ॥ ईं ईं ॥ रुं रुं
 रुं रुं ॥ गीं गीं ॥ य थ ॥ दृ दृ ॥ ध ध ॥ ल ला ॥ ईं ईं ॥ रुं रुं
 रुं रुं ॥ स स ॥ ध ध ॥ सिं सिं ॥ दृ दृ ॥ ईं ईं रुं रुं ॥ द द ॥ दृ दृ
 दृ दृ ॥ ईं ईं ॥ द द ॥ रुं रुं ॥ रुं रुं ॥ य थ ॥ य थ ॥ य थ ॥

ध्यायाथाष्टुज्यानादिद्वीतीमन्त्रमालाया ॥ २० ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ह्रीं ह्रीं ॥ ह्रीं ह्रीं ॥ २१ ॥ कमली
 कालवक्रं मलमकुं दय ॥ नाम धावत्तु यदे
 ॥ ॥ नवीद्वमलवलयी ॥ ॥ मलद्वयद्व
 दाम्नी कालवक्रं दृष्टुं मकृत्तु नामवना

कर्म मेला विजयी ॥ महाविजय नवज रत्न ववज का
यः वज्रगो वज्र नवज वज्र लोका वज्र ध्यान वज्र जिह्वा वज्र
नख वज्र वीरः वज्र ठाक वज्र अकिनी जालय विवह
शास्त्री माग वज्र वज्र सखा रुयाः सर्वमान विघ्न वि
नायक किं नव किं यू नृप गज उग ध्वज उग नाक्षसग

रुक्म सय कर्क कालुय स्मानः दण्डयान वगा उय कन
इसुता मग सद्यार्थ धन सर्वे जाल सर्वे व्याधि कु दोष
दवका निर्या ४ सर्वे सखाना क सर्वोपदेव का ववर्ग ४
क ४ विष्वक् वगा क सेना कर्षा कर्षा ॥ उद्धदि सिग कानी
कर्षा कर्षा ॥ पद्धदि सिग जनी कर्षा कर्षा ॥ दृष्टि नदि

सिगजनी कषी कष्य ॥ यथिमदि सिगजनी कषी कष्य
॥ यथिमदि सिं ॥ उरुनदि सिगजनी कषी कष्य ॥ वायव्य
दि सिगजनी कषी कष्य ॥ उरुनदि सिगजनी कषी
कष्य ॥ गन्धर्वदि सिगजनी कषी कष्य ॥ आर्यदि
सिगजनी कषी कष्य ॥ अर्यदि सिगजनी कषी कष्य

आकासमलुगजनी कषी कष्य ॥ वायव्यमलुगजनी
कषी कष्य ॥ यथिमलुगजनी कषी कष्य ॥ कामध
दुगजनी कषी कष्य ॥ नृपधदुगजनी कषी कष्य ॥
स्वयधदुगजनी कषी कष्य ॥ कायधदुगजनी क
षी कष्य ॥ वाग्धदुगजनी कषी कष्य ॥ विरुधदुगजनी

नाकप्याकप्या॥यकर्मभगजानीकप्याकप्या॥यकर्मभ
 गजानीकप्याकप्या॥यकर्मभगजानीकप्याकप्या॥य
 कर्मभगजानीकप्याकप्या॥यकर्मभगजानी
 कप्याकप्या॥यकर्मभगजानीकप्याकप्या॥य
 कर्मभगजानीकप्याकप्या॥यकर्मभगजानीकप्याकप्या॥य

७

मसानवज्ञानिगालिकरुम्यानिपाकयवजयागानव
 मसानवज्ञानिगालिकरुम्यानिपाकयवजयागानव
 मसानवज्ञानिगालिकरुम्यानिपाकयवजयागानव
 मसानवज्ञानिगालिकरुम्यानिपाकयवजयागानव
 मसानवज्ञानिगालिकरुम्यानिपाकयवजयागानव

के कोलय श्वरुमङ्गलनाकाट्याकाट्यवङ्गवकंलष्ट
दय श्वरुमङ्गलनाकाट्याकाट्यवङ्गवकंलष्ट
सनाष्टिन्द २ साईष्टि कोकिषुं कल्यासममानरुग्गारु
शागारु कल्यावलिः दूनु श्वरुमङ्गलनाकाट्याकाट्यवङ्गवकंलष्ट
मावाहयत् ॥ वङ्गवकंलष्ट कोकिषुं कल्यासममानरुग्गारु

निवदय २ यन्मङ्गलनाकाट्याकाट्यवङ्गवकंलष्ट
वङ्गवकंलष्ट कोकिषुं कल्यासममानरुग्गारु
वङ्गवकंलष्ट कोकिषुं कल्यासममानरुग्गारु
यन्मङ्गलनाकाट्याकाट्यवङ्गवकंलष्ट
यन्मङ्गलनाकाट्याकाट्यवङ्गवकंलष्ट
यन्मङ्गलनाकाट्याकाट्यवङ्गवकंलष्ट

या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 सागवानवधय ॥ सर्वभूत ॥ हृष्टा ॥ हिहि ॥ हृष्ट ॥ हृष्ट
 हृष्टो ॥ हृष्ट ॥ हृष्ट ॥ हृष्ट ॥ हृष्ट ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 म ॥ श्रीकालचक्रद्वितीयाक्षरं ॥ श्रीकालचक्रद्वितीयाक्षरं ॥ श्रीकालचक्रद्वितीयाक्षरं ॥

८

यमानामु ॥ सिद्धि ॥ श्रीकालचक्रद्वितीयाक्षरं ॥ श्रीकालचक्रद्वितीयाक्षरं ॥ श्रीकालचक्रद्वितीयाक्षरं ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नाम ॥ श्रीकालचक्रद्वितीयाक्षरं ॥ श्रीकालचक्रद्वितीयाक्षरं ॥ श्रीकालचक्रद्वितीयाक्षरं ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ADMA ARCHIVES

123

सत्यमेव जयते

२